



नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

कुरु विद्वत्पुत्रो न स्यात्सुखं कुरु विद्वत्पुत्रो न स्यात्सुखं
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

तिमिलिहिन रु सुतना ॥ ॥ ज्यया धनाथ श्री श्री चहा कित्तम
 सुखेव महा मोक्षा कित्तमस्तियाग यथाद ॥ ॥ सुखेन ज्यम
 मदा कृतमस्तिसा कित्तमकन दे ददा ॥ ॥ नटि यो धवल्लरु
 ज्ञा ह्लादय कि डा ॥ ॥ सुखया डकि या कवर्धना म ॥ श्रीमालव ॥ ॥
 या ॥ रुचयत कित्तमय प्रतियति सुमय सुयूक कल सुखः
 वल्लभा धनमसुपति डा सु यय काल हिय थम सु महा ललुनि
 ति यवदाय ॥ नाद गित ताल मा ल जसु सुदवी कसन डा सु य

[illegible]

[illegible]

कृतं किं सुदृढं वा जातं इत्यादि कृत्वा कायं कृत्वा नू मनी इ
 यावत् कृत्वा कायं तना नै इत्यादि नाटकं दय कल आन नूव ॥ ॥
 तटि स्ता मि जिव स्व वि का द्रे न ॥ ॥ तिसा न म ॥ सार्च ग ॥ था ॥ श्रु द अ य
 स न रु ल च धा जित न च य तिन नाटकं दय की ध व सि सि म डा य
 व ला क नै इ ल य नू व या ख न दू या व श्रव ॥ ॥ म वू डा ॥ स र स
 द नै श्री श्री न धा जित म ल द व म द न जा डा या का कृत न नू व
 म नी स न ला या ख्या न नू व य क ल न नू व ॥ ॥ तटि स्ता

मिहितवशविच्छादित॥॥दिनटीरुयस्वामिसमर्पनविच्छादित॥
सुखयासवन्नरादिदुस्वप्नव॥॥ल॥॥॥श्रीकृष्णपूकीतीसः
लक्ष्म्यासुखसुखीनसदुदयकृष्णपूकीतीसः॥॥वि॥पूया॥
नटश्रीयुर्वेशीरुलकदूयनिजावपूकसितीसलेखामासदि
नरुयाव॥सुडनसुन्दनसुतगुलयाससुतवृत्तलक्ष्म
श्रीमतिगलसकृगमवा॥गलवनिवापथडानयदयादय
आनन्दनयगयतिवादानगयाव॥॥नमजितसल्लक्ष्म

श्रीमत्यासुखवपसुतकृष्णडाडासुवासुलिकयाव॥॥
मयू॥॥कृष्णकृष्णलकयतिजितस्वकृष्णकृष्णकृष्ण
सुवृ॥श्रीकृष्णकृष्णकृष्णकृष्ण॥॥कृष्णकृष्णकृष्णकृष्ण
अयादयकीनन्दनकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्ण
धकावेकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्ण
मीडायाथनिमनसल्लक्ष्मकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्ण
गुप्तसंयुक्तकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्णकृष्ण

[illegible][illegible]

[illegible]

सुमि अथाथना कुल आलसान याद ॥ जय
 का सुसंजता मना जात्रि ॥ ॥ कय सुसंजता
 री ॥ ॥ जय जय गोकुल किर्तन साचु हवि रूत
 विकाशित ॥ ॥ कय जय जय ॥ ॥ जय जय
 खान वाती जनी मना हया मसक हान थूलान
 नठ तीज ॥ ॥ जय गोकुल थार्य जय कुलाल ससव क
 र कय जय नकाया खवा ॥ ॥ कय जय लाकय निथान खवा दि

ॐ नमो भगवते ॥ सर्व ॐ विन्दुं विन्दुं विन्दुं ॥ ॥ विश्वम् ॥ क
युं जय लोकाय जय लोकाय जय लोकाय ॥ ॥ सर्व ॐ विन्दुं
विन्दुं विन्दुं विन्दुं ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
मिति ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
द्वयं निर्वृत्तं नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
॥ यथा स उवाच ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥

यद्विदुः स ॥ ॥ दधुः स ॥ कयुं जय लोकाय जय लोकाय जय लोकाय ॥ ॥
ॐ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
तं जय विश्वकर्मा तनार्त्तं नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
दधुः नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
या ॥ कयुं जय विश्वकर्मा नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥
नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥ ॥ नमो भगवते ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

रा. ३५४८ कल. ५५५५

[illegible]

धनं राशि सन ह कानन्द या जव वा न ॥ इहो या सवल्लरुहि
वश ॥ विष्णु मा कवु जय प्रकीर्णो एव न मा मिमि ल क न व
न ड वा व या न ड न न य ॥ इहो हा मे ड उ श्व क न्या ल स ल
रुं विष्णु क न ॥ कवु दि य लि वि ॥ ल ३ ॥ ॥ राज न च ड न
जाव ती या शी, राज स ती य क नी म ति का व य न सु खी च न
ग म ॥ ग म ड नि यी ॥ ७ ॥ राज न मा म न य ति त ड य न व
शी न या व ती सु दि न न या ज व सु व श ॥ राज न म ति हि द श

ता ग पि द ल श म ति का व य न म न्न ज नि न सु ह श ॥ सु
क वि शी न त डि न त ड य या ज य शी द ड व वि ह न व न न
ड श त ड ॥ ॥ म य ॥ राज न ज य न या व ती थ क नी यु मे
दि न म ति का व य न डि न र्वा च न ति ह य ड ड ॥ ॥ स न म
रा न ड ज ह द य कि व ॥ ॥ श क ॥ राज न नो म न य ति
या न य न नी ति ॥ डि स मा न म ड म व य न या ल न र
य हा ॥ ज य ल क य नि थ ति र्वा य नि प्री न क न्या य न

मया विव सुनूता मया कवे जाह नि ॥ सर्व महापाद
सुहाद उका सुवथ ॥ ॥ तय जय महापाद दिन द्या न कि
ॐ नय दे दन ॥ ॥ नडा नय वने हावे ॥ ॥ अकथा पूव आवत
सो लाय मात मया दय न ॥ ॥ थने नन सीयका नलो लय
अया थत ॥ ॥ जय महा पाद थथि का नया वने नाम या ही जि ॥
नका नया वने कुन लाया खव ॥ ॥ थकनी जय व वरु माइ
दिने खां रुह ति न नाय द द न ॥ ॥ इह थकनी हावे ॥ ॥

ॐ कथा पाद युगी सुनू मती नया का काम सुदयी ॥ ॥ च ॥
जहुमी डाया थती हाति थ मद्रया जली ॥ ॥ जय व वरु माइ थथि
का रु लया लयति सु म न दायुगी सुनू मती नाम नि ॥ ॥ इह
थकनी कुन काया खव ॥ ॥ युगा जय व वरु ति दिन खां रुह ति
ॐ नय दे दन ॥ ॥ ॥ जकाय ना हित जहा दय कि व ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ सुम सुम सु विद्या या नत काय स गज ती जिव या नत
न शित न सु डाया थ न थ ॥ ॥ ॥ जय महा पाद थथि का यु लो

लस यूधा हिन दय भामि नामहि ॥ ॥ जाज यूधा हिन नरुद्धा दय
दावय ॥ ॥ मकी जय तनय नि कित खोजन कि नूना ययाय दुस
विकाह न ॥ ॥ जाज मकी जावे ॥ ॥ भामि ॥ धर्म वृद्धी नाम मकी ज
ऊ मया सुचिह्ना थानि आयान टरुमी जिव स ए न हे मती ॥ ॥ जे
य मसा नाऊ थानि ज हात ग क ऊ ल स सुव क डि ॥ ॥ जाजा तातु
क न या या व्य ख व र ॥ ॥ काट जय न य धिय कित खोजन ह नि
भम च य या य उद्धाव विझा न ॥ ॥ जाजा काट जाय जावे ॥ ॥

भामि ॥ क न वृद्धि जय वाल सु चिह्ना जाऊ का य म ॥ स म म स
लाय ऊ ल विख्या न य ज च क ॥ ॥ जय न य धिय थ थि क ॥
ऊ ल स काट वाय डि ॥ ॥ जाजा काट वाय क न ध य ख व ॥ ॥
कला जय म स ना ही कित खोजन ह नि नूना ययाय उद्धाव वि
झा न ॥ ॥ जाही कला व नी जावे ॥ ॥ भामि ॥ कला वे नी नाम
सखी का जा थ म स या ज नी ॥ ॥ य म नी ले क ना थूल तंग रु
नी अ य थ नी ॥ ॥ जय म स ना ही थ थि य क म ह न नी नाम

[illegible]

॥ रात्रि जाजादि निवेद ॥ यदि उरुसी ॥ दधूस जाजा जय
लाकर्य जय विविहमसि लथेता थनास्वाकि म न नयका
वशांत ॥ सर्व महाजाऊ जिवश्व ॥ विष्णुमा ॥ ॥ रात्रि म जय व
पूरासाइ जियति उवयनस श्रव लडात ॥ उरा थक
नी जिवश्व हति ॥ ॥ रात्रि म जय केलवती डया नि त श्र
त लडात नय ॥ कना जाऊ कुमाजी दिवश्व विष्णु न ॥
रात्रि म व केलवती तिसा नम ॥ कुयो नि ॥ ॥ म न थ न

उय वन सुले अम जय कामा मित दहल वृत्ता मित मद्य
वा ॥ शान नृत्त हान सुके नव ॥ ५॥ ॥ अयु १३ ॥ य उरु सी ॥
दि कुला जय पाद कुमा मित नान विजा दूत ॥ ॥ कला
वत ॥ अिव श नूथ ॥ ॥ पाजा जय लाक य निद्र नूक अ
का वजन अत नूव ॥ सर्व मद्रा पाज अिव श विजा न
न ॥ पाजा दि वलि दि ॥ ॥ लू ५ ॥ यता मित हान मा
नया ॥ ॥ दूत्री साय वि ये साव म नद्र ॥ लोच ॥ ल ॥ नूथ सुव

नन्दसिजिनयावततान्थागध्यातयायद्विलुप्तज्ञाव
 शान्ता॥ यदुत्तिवतनयद्वान्थागध्यातयायद्विलुप्तज्ञाव
 साज्यसुदन्तनन्दनयावततान्थागध्यातयायद्विलुप्तज्ञाव
 सद्गुरुसाज्यसुदन्तनन्दनयावततान्थागध्यातयायद्विलुप्तज्ञाव
 शेषमथार्तविकारद्वान्थागध्यातयायद्विलुप्तज्ञाव
 सद्गुरुसाज्यसुदन्तनन्दनयावततान्थागध्यातयायद्विलुप्तज्ञाव
 यद्विलुप्तज्ञाव

मृतिदानं ज्ञय सुदानं नृणां ज्ञय दानं नाम कायाव ज्ञय आरा-
य ॥ सदा त्वया भगवता ज्ञय विद्महे नमः ॥ त्वय ध्याया यज्ञो ज्ञ-
स्तनू मनी कलावती त्विन्दुः सूर्या ॥ दधुः सूर्या
ज्ञय कलावती नृणां ज्ञय दानं ज्ञय दानं स्वर्गं विद्महे नमः ॥
॥ कलावती नृणां ज्ञय दानं ज्ञय दानं स्वर्गं विद्महे नमः ॥
कलावती नृणां ज्ञय दानं ज्ञय दानं स्वर्गं विद्महे नमः ॥
कलावती नृणां ज्ञय दानं ज्ञय दानं स्वर्गं विद्महे नमः ॥

[illegible]

नोव क्राया (थ) क्राव सातो कुनडी लोख मया क (थ) न कुड
का गक्र याला साति सुलो यमाला ॥ अय विय सुव ॥ ॥ शान
मती यय सुव ॥ विन नियाय जय द्रवो साग डि क्रात (थ) क
वल सुद्रय कोय किन स्वाँ कु हति लम चन याय द द्वाव विडा
द्रन ॥ ॥ गगलु सुतयाव हा कयय ॥ विन निम ॥ कज न ॥
स ॥ विन निम सन सुलयाव जय नोध द क क मा याव ॥
क ॥ विथ क मया सु सुन सु याव वियाव दे दाव किम न सु

वेद नग नि काव ॥ न अध द सुव नूव नव सिद्ध याव क
वृत्त म दय म न ध ति कि स दात ॥ ॥ मय ॥ ॥ जय म नि श्व न
वार्य व न कु ल्या ल सु सु सु विन नि किन अयान वियाव वि
क्राय माल ॥ ॥ द्रवो सा जय शान मती कि व च न मिथ्य दूय म दू ज
व ॥ ॥ कु कु याल ग कया ला साति सुलो यि डा उ कान कु ह ता म
याय म न कु न ध म रू व म रू थ को ॥ ॥ सु न म जय म नि श्व न
कु ल्या ल सु क या ॥ ॥ म नि न जय सु न म नी लि थ कु न न अधा द दू

[illegible][illegible]

१। त. कूं. रूं. कूं. ल. द. न. पा. क. स. यु. व. न. म. ॥ ८॥ ज. म. ल. य. ॥
 न. ल. न. न. व. का. य. र. ह. य. स. य. म. य. ॥ ९॥ क. ल. स. य. र. ह. य. म. य. ॥
 रु. वि. य. य. र. ह. य. ॥ १०॥ ड. स. रु. ल. ल. स. व. ल. न. य. ल. य. ल. ॥
 न. य. य. ल. ॥ ११॥ स. य. र. ह. य. म. य. ॥ १२॥ न. य. र. ह. य. म. य. ॥
 वि. ल. य. म. य. ल. ॥ १३॥ स. य. र. ह. य. म. य. ॥ १४॥ स. य. र. ह. य. म. य. ॥
 १॥ १५॥ त. कूं. रूं. कूं. ल. द. न. पा. क. स. यु. व. न. म. ॥ १६॥ ज. म. ल. य. ॥
 न. ल. न. न. व. का. य. र. ह. य. स. य. म. य. ॥ १७॥ क. ल. स. य. र. ह. य. म. य. ॥
 रु. वि. य. य. र. ह. य. ॥ १८॥ ड. स. रु. ल. ल. स. व. ल. न. य. ल. य. ल. ॥
 न. य. य. ल. ॥ १९॥ स. य. र. ह. य. म. य. ॥ २०॥ न. य. र. ह. य. म. य. ॥

[illegible]

॥ अथ किं जाकं ह्यदं यथनास्वादि मन्त्रनकावयानि
॥ कं यदं दिवसं विष्णुम ॥ ॥ नि अथ किं जाकं ह्यदं
यथं अथ ह्यदं अथ वयानां नाना ॥ कं यदं नि कं ह्यदं वय
विष्णुम ॥ ॥ नि सप ॥ जाकं विष्णुम ॥ य ॥ मन्त्रनकावयानि
न गयानां नाना वयानां नाना मन्त्रनकावयानि ॥ ॥ नि य
॥ य ॥ उ ह्यदं ह्यदं ॥ दि अथ यदं नि कं ह्यदं नाना विष्णुम ॥
नि किं जाकं ह्यदं अथ वयानां ॥ ॥ नि ॥ ॥ ह्यदं यदं

अथ लोकिवति यथनास्वादि मन्त्रनकावयानि ॥ सर्व मन्त्रनकावयानि
दिनस्य विष्णुम ॥ विष्णुम ॥ ॥ ह्यदं अथ लोकिवति यथं अथ
ह्यदं वयानां नाना वयानां नाना मन्त्रनकावयानि ॥ सर्व मन्त्रनकावयानि
जाकं यदं दिवसं ॥ य ॥ उ ह्यदं ह्यदं ॥ दि अथ यदं नि कं ह्यदं नाना विष्णुम ॥
कोटं वयानां नाना वयानां नाना मन्त्रनकावयानि ॥ सर्व मन्त्रनकावयानि
ह्यदं अथ लोकिवति यथनास्वादि मन्त्रनकावयानि ॥ सर्व मन्त्रनकावयानि
ह्यदं अथ लोकिवति यथनास्वादि मन्त्रनकावयानि ॥ सर्व मन्त्रनकावयानि

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विष्णु यज्ञस्य जिवस्य जितदयः केसरः ॥ ॥ हस्त
 सिमातयः ॥ मणिः ॥ अथ ॥ हस्तस्य नयान्तरं दयके डयवतः लसुन
 यकामन नन्दन नन्दन जिन यादाडाङ्गुतिन ॥ ॥ अथ ॥ चाले डरुल
 यल किङ्कले निहासल ॥ नाचिके लखरुले जेवले डवके डहल ॥
 जवलि कत किहल माले तिकलिल थन चिय जिन ननात यादाव सुत
 पिङ्ग जय यज्ञस्य जितदयः केसरः ॥ ॥ हस्तस्य नयान्तरं दयके डयवतः लसुन
 यकामन नन्दन नन्दन जिन यादाडाङ्गुतिन ॥ ॥ अथ ॥ चाले डरुल
 यल किङ्कले निहासल ॥ नाचिके लखरुले जेवले डवके डहल ॥
 जवलि कत किहल माले तिकलिल थन चिय जिन ननात यादाव सुत



काज्जलीयं च सुहृदस्य तिमिरव्याधौ च हृन्वयात्कायं
 नैकाधमस्युदितं गमचनययद्वदन्त ॥ यद्वदन्त ॥ यद्वदन्त ॥
 तूमातीत्याविलोयन ॥ महे ॥ ली ॥ गत्ययाद्यमतिमति
 जं सिखतयासे हनेद्विद्वलाथनिजिवयावित्तम ॥ दे
 निरा ॥ सुतमतिदातव ॥ लाललावनाज्ज्वलद्वितमन्त
 कालेश्वरवर्ककाजो ॥ ॥ मये ॥ ॥ निर्वृत्त ॥ ज्यविद्व
 केशव ॥ ॥ कत्यानलजादावथडा ॥ मदिद्वलडातमन्त

[illegible]

अनंतचित्त तव लायथा म॥ डास के हू या वधान साध
लुप्यताम॥ ५॥ ॥ मयू० ॥ ॥ य न न दृ ज्य दृ विवाह इ
बुद्धां श्री कृष्ण य न कट अनंतव॥ उ हो मति पादा कि
व खति आहृत॥ दि उ हो ज्य तूति नाऊ त नान विडा
दूत॥ ॥ दधे स ज्य दृ व की न दत सु सि॥ ॥ कृष्ण दित
ज्य न न द मूती सता नू नाय॥ कृष्ण धना विडा दा ला
पा ज्ञा स न स विडा हृत॥ ॥ त न न द ० म विद कि न श्य

विभीम॥ ॥ कृष्ण ज्य ल क ल क चू क र्य म ध ना वि डा
क र्क र्क र्क स सा य वि डा दा ला ज्ञा ह द य कि डा॥ ॥
ता न द ज्य उ ड य वि वि व क ल क न ज का जी सा ग्र ह
कृ ल आ ल स द य जी न या य ध क आ या वे त स कृ ता डि
न थ नि ह य आ व ड चा ति क र्क र्क ध या का दा न व त रू न
या य र्क र्क रू न म ती उ आ न स कृ ता व था द थ म रू
व ह या क र्क रू न व कृ न ग य स न य वृ न ॥ धा नि कृ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दि. सर्वं ज्ञयन्तु भक्तान्तरात्मना
 सुत ॥ म. शक्यति जितुं सर्वं ॥ ॥ दयूत सर्वं ज्ञया
 हो नाक भवन्ताय साक विचालयाकावे कुरु ल्याप
 वाकावेदयधूता ॥ पाजा मनी जितवस्वावाया ॥ ॥ सर्व
 मेहनाक जितवस्वा ॥ विष्णु म ॥ ॥ पाजा ज्ञयता जलना
 जितयति जल लडा न च नथना ज्ञया ॥ ॥ नाना वाहा
 नाथ विवस्व विष्णु म ॥ ॥ पाजा ज्ञय

यत्सीकयति विविनः कृतं तदा न नूतनं ॥ सत्रे सः
 शतानां किं वदन्ति विना कर्म ॥ अदत्तं नित्यं यः
 ज्ञात्री ॥ श्रावतं सूर्यं च दृष्ट्वा तं ज्ञातुं शालं खालं लं
 दं नं जालं शानि नलं शतं लं यः ॥ तिष्ठन्तं वतं
 तद्व्याधेन वः ॥ नृणां नातुं धिक् न पश्येत् ॥
 मन्त्रं ॥ तदा श्रवति किं नृणां तदा श्रवति ॥ तं
 नावलिं ॥ ॥ लं ॥ ॥ नृणां श्रवति नृणां तदा

कवये सायमभद्र ॥ नाट ॥ वचिमान ॥ इव नित्यतन
 धनि रत्नलया जव दयधामा सिद्धिस्त वलनडा क
 व ॥ ॥ मय ॥ १३ ॥ वचिमान ॥ दयधामा कडा कूं
 दय धडा मंदिल ॥ ॥ यतस्यादि विग्नमन भाना ॥
 दइ त्रिवर ॥ ॥ विग्नम ॥ निक्कं कय किडा चुइ न
 अकाव वकुली काच काया दिव ॥ ॥ ॥ कत्या नन विर ॥

दादादि वक्ष्ये ॥ कुरु कुरु यत्किंचिदपि ॥ ॥ निर्वृत्तं सत्त्वमनी अं व
 लेष्टं ज्ञानं जव ॥ ॥ विश्वमपि किंचिदपि जवलेष्टं ॥ यद्विदु
 रसं ॥ नृधूरत्तयत्तव ॥ सुतं कुरु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु
 निर्वृत्तं यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु
 सुतं यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु
 सादि आयुर्द्वयात् ॥ ॥ निर्वृत्तं यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु
 यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु

श्रुया कित्तु ज्ञातुं न शक्यं ॥ ॥ कथं श्रुय यादि तु निरुक्तं
ज्ञातुं ॥ ॥ निरुक्तं याद किं यद्विभक्तं ॥ मालिनी ॥ शो
भात ॥ श्रुय कृतं न कथा काय नालिनी शुभान्न न
हस्तमत्रिल्ल्या यथा श्रुय स यात, द्रवधूना रू
नू सति आह्वयं कित्तु ज्ञातुं, श्रुय कृतं मत्रिल्ल्या यति
गमहाय ज्ञातुं ॥ ॥ मयू ॥ ॥ निरुक्तं श्रुय स

तथा धाम श्रुय वनस, यतिनी ॥ ॥ कृतं स्रुय यद्विभक्तं
यत्नं मयू कित्तु ज्ञातुं विभक्तं न मत्रिल्ल्या यतिनी ॥ ॥
कथं श्रुय यादि तु निरुक्तं कथं कृतं श्रुय स्रुय, श्रुय
श्रुय कृतं न कथा काय नालिनी शुभान्न न
हस्तमत्रिल्ल्या यथा श्रुय स यात, द्रवधूना रू
नू सति आह्वयं कित्तु ज्ञातुं, श्रुय कृतं मत्रिल्ल्या यति
गमहाय ज्ञातुं ॥ ॥ मयू ॥ ॥ निरुक्तं श्रुय स

मलविश्वथडादिवडाहविकविहममसुवा ॥ ॥
 मय्या ॥ ॥ तिकुह, हातूमनी रुयावता ॥ ॥ थाम
 गुहासविहयात ॥ ॥ कर्क, हातूमनी युद्धम
 लडाहाय ॥ ॥ उहा, ज्यज्जदयति हातूमनी रुयकचुता ॥
 कर्क, ज्यज्जदयति हातूमनी, हातूमनी रुयकचुता ॥
 थकथताहवाय ॥ ॥ हातूमनी रुयकचुता ॥
 वरुहा ॥ ॥ यद्य, ज्यज्जदयति हातूमनी रुयकचुता ॥
 १ कनया ॥ ॥ हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥

हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ दवही वि ॥ ॥ ॥ ॥
 ज्यज्जदयति हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥
 ज्यज्जदयति हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥
 हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 हातूमनी रुयकचुता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

यत्तु द्विवक्ष्य ॥ विष्णुसम ॥ ॥ यद्युक्तं सानुमनी निर्यदु ॥
 यद्विदुः सा मी ॥ यद्युक्तं सानुमनी निर्यदु ॥
 विनाथि ॥ सर्वं ज्ञय युद्धं विष्णुसमं हो ज्ञानासु ॥ ॥ यद्यु
 ज्ञय साहू मतिनाहू ॥ अस्तुमनी निर्यदु ॥ यद्यु
 तालं तज कावदया ॥ इति ज्ञय युद्धं कृते ववृद्धं
 सा विष्णुना ॥ यद्युक्तं ज्ञय साहू ववृद्धं निर्यदु ॥ यद्यु
 कं कृताग विष्णुनाहू ॥ सर्वं ज्ञय साहू ववृद्धं इति विष्णु
 विनिष्कारा जेहल

यत्तु ॥ साहू द्विवक्ष्य ॥ विष्णुसम ॥ नूतन ज्ञय साहू यनिदु ॥
 कं अज्ञानान्ता नववा ॥ सर्वं नूतन विनी द्विवक्ष्य विष्णु
 न ॥ ॥ यत्तु द्विवक्ष्य ॥ ॥ इति द्वितीयोक्त ॥ ॥

[illegible]

ती अउ थिं खालया थान उत मसया मरु कामया कलान
 मरु की ए नो ते सलितान आते आया च जे रुमी मरु की
 गुमान ॥ जय के हे रुवति थति रुमान जाक ते वदनी
 नान मयनी कि ॥ ॥ उतो नन रुचन हाया खव ॥ ॥ मला
 जय सुवदनी नन रु किने खा रु रु हाया ॥ ॥ सुव के रु
 रु रु व ॥ ॥ ॥ ॥ थ मया हा यूरै य नवा स तान नयः
 को वत धन थति थु साना ला व डी कूरुत स मया हा रु

नमो

अविदुषाया ज्ञाद न किंचिदपि ज्ञातुं शक्यं
नित्यादाव॥ अद्वैतविद्यानाथनिम्बूका ज्ञान
युग्मयुग्मजी ज्ञाकास जीगम, आवल्लुमीतु
या नित्यकठिना॥ हि ज्ञावकी नतानां डाना॥ दि
न ज्ञान न ज्ञान न ज्ञायाव गीकयू या येतं त्व द
या॥ ॥ नखन ज्ञायताव कयू दान सव॥ ॥ कयू ज्ञान
दवी कल्लाल स क यान किचेनं त्व द न॥ ॥ गीगम ज्ञाय
कुल्लाल सचेतनं दनी थकी॥

ज्ञावकी

कयू थडा स्फात डान ज्ञा स्फात॥ ॥ कयू र्गम दवी ज्ञिव
विज्ञा द न॥ ॥ गीगम ज्ञाव किन कयू या येतं त्व दय का व
नाथ धूना थडा मं किल डान॥ हि ज्ञाव किम थाने ज्ञान॥
थना ज्ञात॥ ॥ दान ज्ञय विज्ञा कृत दन कयू
गी (थम डो माया मय कि दया वल्लाय॥ ॥ द
॥ यल्लियि॥ ॥ थना वदि डाय॥ कयू
ज्ञान थमया विद्व सायाने य किनू य द ड
या

नयकायावत्था। अयं यत्तु यत्तु कुचनिचुम्ब
उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु ॥ नत्तिवि ॥ ॥ यत्तु यत्तु
कुम्ब यत्तु यत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु
यत्तु ॥ ॥ उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु
उत्तु उत्तु उत्तु ॥ यत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु
यत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु
यत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु उत्तु

[illegible]

॥ श्रुतं लभे ॥ को शिक्कः ॥ भिज्जि सुवृद्धावच्छावत्
 रुलानियाय वनचनयनिथति ॥ आवन सुलोया ॥ भिज्जि
 ॥ ॥ भाडा ज्ये लकयनि ज्ये लक वनचन ल ॥ यथा ॥ क्य
 यथ डाना ज्ये डानतु व ॥ ॥ सुवृ मदा ना ज्ये डिय खरि
 को दत ॥ ॥ ना ज्ये दि निर्वयि ॥ यु ड ह सी ॥ दि म ड गे
 मदा ना ज्ये मथ नी विष्का दत ॥ ना ज्ये डिय ख नैव ॥ भिज्जि
 ॥ ॥ ना ज्ये दि निर्वयि ॥ यु को दि ड ह सी ॥ दथु म ज्ये ना
 वत यती य लि न्द ॥ मदा ना ज्ये रु ल विष्का दत विष्का

वर्तते ॥ सर्वं क्रियमसंस्तुतासीत् ॥ सर्वं नाथा ॥ सदायातु इह
विष्णुस्तन ॥ ॥ याज्ञा नानावर्ती, त्रिवर्त्त ॥ विष्णुस्तन ॥ ॥
असुखा विष्णुकायं क्रियमसंस्तुतासीत् ॥ त्रिवर्त्त, यथाशु
अनं विष्णुस्तन ॥ स्वा ॥ दवर्त्त विष्णु ॥ ॥ कलावर्ती, य
वर्त्तये ॥ यथाशु त्रिवर्त्त, यथाशु स्वाया कलावर्त्ता
यथाशु ॥ यथाशु मथाशु ॥ यथाशु मथाशु मथाशु
मथाशु मथाशु ॥ मथाशु मथाशु मथाशु मथाशु

[illegible][illegible]

सुब्रह्मन्तिनाउ द्विवस्व॥ विष्णुम॥ ॥ तानूनादि तिवत्तु॥ ॥
द्विउ तापी॥ ॥ यमसु जय तापनसुति सुवा ज्ञताय॥ ॥ ॥ जय
नूनामिति कसलज्ञाता॥ ॥ ॥ जय ज्ञाता॥ ॥ जय ज्ञाता
द्विउ विष्णुम॥ ॥ कद्विउ विष्णुम॥ ॥ विष्णुम॥ ॥ ॥ ज्ञान ज्ञान
जायदसुति कवु गिवा ज्ञाता स्वच्छता विष्णुमि रानडाया
जीवुगी तानुमनो निर्वैरु ज्ञानवत हनया दयता डाजा
लाय द्विसा मय गीत्य गोर धक स मेह गान डाया॥ ॥ ॥ ता
पद जय ज्ञान डायव पाज कुहना मेवाय ममा ला क

३१
यत्त निर्वैरु यज्ञया ज्ञान सुत वृषी तानुमनो रुयका
व सुयमया लासुहायय यादाव ज्ञानो कासुनय ह
ली ज्ञान स्वना॥ तयो लावा॥ ॥ नाडा जय सुतिनाडा
लावला धनधन्य लाय॥ ॥ जय वृषी तानुमनो॥ ॥ ज्ञान
जय ववृषी माज्ञ सुवा ॐ ताया॥ ॥ जय ववृषी दववती न
दन कृपात कसल मज्ञ न कवाच वृषी लाय धुता॥ ॥
जय वृषी द्विवस्व॥ सुब्रह्मन्तिनाउ॥ ॥ कृपादि वेसाय॥

[illegible]

ममोयात्तु सन विचित्रा शीतलपुत्रा यमाला संके थल्यनथ
 का सुनू ममाति केयन डी डि वना ॥ उशे ज्ये मनिपाड
 रुथे रुचिप ॥ ॥ कळू ज्ये मप क मनि ना ना पु क च म सूरु
 यो दाव नि क र व ध यो दाव ना य ममा ॥ ॥ ना पद ज्ये रु
 न द स म स ड रु म स लो न क र ज न के न क ना यो उ
 व ठे सो पु म ती वा नु र म य र स ड वि व यो ना वि वा य
 अ दा व वि र म स ड ना ॥ ॥ सो न ज्ये मनि ना ड डि मा यो

